



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 17, 1988/भाद्र 26, 1910

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1988/BHADRA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1988

का नि.घा. 215—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सेना चिकित्सा कोर (मिथिलियन वर्ग 3 और 1 बने पद) भर्ती नियम, 1969 और सेना चिकित्सा कोर (मिथिलियन) (वर्ग 3 और 1 पद) भर्ती नियम 1969 को, उन बातों के विचार अधि-
भारत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकाधिक से पदों किया गया है या करने या सोचा किया गया है सेना चिकित्सा कोर में कुछ मिथिलियन (समूह 'अ') पदों पर भर्ती
की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् —

- 1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेना चिकित्सा कोर (मिथिलियन समूह 'अ' पद) भर्ती नियम, 1988 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 लागू होना—ये नियम इनमें उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।
- 3 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे इन नियमों से उपाखण्ड उक्त
अनुसूची के स्तम्भ 2 में स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4 भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य शर्तें—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, शर्तें और उन्हे संबोधित रूप देने के होंगी
जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 13 में विनिर्दिष्ट हैं।
- 5 निरुद्धता—वह व्यक्ति—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपने पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त विनियम पर नियमित का पात्र नहीं होगा

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाद ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6 निश्चित करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करने इन विधियों के विधी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत पारिशद द्वारा सिद्ध कर सकेगी।

7 प्रावृत्ति—इस विधियों की कोई प्रावृत्ति, जैसे आरक्षण, काम भीषा से छूट और भाग्य विषयता पर पश्चात् नही बानेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा 25 वर्षों के समय समय पर किया गया आदेशों के अनुसार अनुचित कृतकृतियों भूतत्व मंत्रिकी और अन्य विशेष पदों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
1 शासक	2	राष्ट्रपति केन्द्रीय सेवा, समूह 'ब' अग्रजपत्रित व रो -20-11506	800-15-1010	अचयन	18 से 25 वर्ष के बीच (सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों/अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवा के लिए 35 वर्ष तक स्थित हो जा सकता है।)

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निश्चित आय और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की वंश में लागू होगी या नहीं	परिशोभा की अवधि, यदि कोई हो
7	8	9
व्यवसाय में प्रवीणता	लागू नहीं होता	केवल सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीटें होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जान जाने वाली स्थितियों की प्रति-जनता	प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वंश में ये श्रेणियाँ जिन्हें प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण किया जायगा
10	11
स्थानान्तरण द्वारा, जिसके अन्तर्गत पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण
प्रोन्नति सीटों में व तत्पश्चात् भर्ती को अधिसूचना द्वारा प्राप्य।	स्था सेवाओं की निम्नलिखित श्रेणियों में समाविष्ट, समस्त या उच्चतर श्रेणी में कार्य कर रहे व्यक्ति।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जाएगा
12	13

समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे —

लागू नहीं होता

- (1) ए डी एम एस क्षेत्र मुख्यालय—अध्यक्ष
- (2) यूनिट का औसी—सदस्य
- (3) यूनिट का एक अधिकारी—सदस्य

1	2	3	4	5	6
2. बैंसकार	6 (1988)* कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'घ' अराजपत्रित अतनुसन्धिवीय औद्योगिक	800-15-1010- द रो.-20-1150 रु	अचयन	18 से 25 वर्ष के बीच (सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)
7		8		9	
व्यवसाय में प्रवीणता		लागू नहीं होता		केवल सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष।	
10		11			
स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा। टिप्पण: सीधी भर्ती में भूतपूर्व सैनिकों को अधिमान दिया जायेगा।		स्थानान्तरण रक्षा सेवाओं की निम्नतर विरचनाओं में समरूप, समतुल्य या उच्चतर श्रेणी में कार्य कर रहे व्यक्ति।			
12		13			
समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे (1) ए.डी.एम.एस. क्षेत्र मुख्यालय—अध्यक्ष (2) यूनिट का ओ.सी.—सदस्य (3) यूनिट का एक अधिकारी—सदस्य।		लागू नहीं होता			

1	2	3	4	5	6
3. होज़र	2 (1988)* कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित अतनुसन्धिवीय औद्योगिक	800-15-1010- द रो.-20-1150- रुपए	अचयन	18 से 25 वर्ष के बीच सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों/अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।
7		8		8	
व्यवसाय में प्रवीणता		लागू नहीं होता		केवल सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष	
10		11			
स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा। टिप्पणी: सीधी भर्ती में भूतपूर्व सैनिकों को अधिमान दिया जाएगा।		स्थानान्तरण रक्षा सेवाओं की निम्नतर विरचनाओं में समरूप, समतुल्य या उच्चतर श्रेणी में कार्य कर रहे व्यक्ति।			
12		13			
समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे (1) ए.डी.एम.एस. क्षेत्र मुख्यालय—अध्यक्ष (2) यूनिट का ओ.सी.—सदस्य (3) यूनिट का एक अधिकारी—सदस्य		लागू नहीं होता			

1	2	3	4	5	6
4. मेट	195 (1988)* *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय सेवा, समूह "घ" अराज्यपक्षित अन्तुसन्धिवीय औद्योगिक	800-15-1010- द रो-20-1150 रु	अवयव	18 से 25 वर्ष के बीच सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों/ अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 35 वर्ष तक शिक्षित की जा सकती है।

7	8	9
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	केवल सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष।

10	11
प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर स्थानांतरण द्वारा, दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : ऐसे अधिक (मजदूर), जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है। स्थानांतरण रक्षा सेवाओं की भिन्नतर विवरणों में समरूप, समतुल्य या उच्चतर श्रेणी में कार्य कर रहे व्यक्ति।

12	13
समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे :— (1) ए. डी. एम. एम. क्षेत्र मुख्यालय—अध्यक्ष (2) यूनिट का ओ. सी.—सदस्य (3) यूनिट का एक अधिकारी सदस्य	लागू नहीं होता।

1	2	3	4	5	6
5. चौकीदार	957 (1988)* *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "घ" अराज्यपक्षित अन्तुसन्धिवीय, अनीयो-गिक	750-12-870-द रो. 14-940 रुपए	अवयव	18 से 25 वर्ष के बीच सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों/ अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 35 वर्ष तक शिक्षित की जा सकती है।

7	8	9
वांछनीय प्राथमिक स्कूल उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	केवल सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष

10

11

स्थानान्तरण द्वारा, जिसके तहत हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा

टिप्पण—सीधी भर्ती में पूर्ववर्तनिकों को अधिमान दिया जाएगा।

स्थानान्तरण :

रक्षा सेवाओं की निम्नतर विरचनाओं में सम्पूर्ण समतुल्य या उच्चतर श्रेणियों में कार्य कर रहे व्यक्ति

12

13

समूह 'घ' में विभागीय प्रोबेशन अधिकारी जिन्हें निम्नलिखित होंगे

जाएँ नहीं होंगे

(1) ए० डी. एम. एम. क्षेत्र मुख्यालय—प्रमुख

(2) यूनिट का ओ सी—सदस्य

(3) यूनिट का एक ग्राफिसर— सदस्य

[फा.स बी/72618/डी जी एम. एम 3(बी)]

आर. आर कौशल, अवसर सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 18th August, 1988

S.R.O. 215.—In exercise of the power conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Army Medical Corps (Civilian Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1969 and the Army Medical Corps (Civilian) (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1969 except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Civilian (Group 'D') posts in the Army Medical Corps, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Army Medical Corps (Civilian, Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1988. (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of Posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifica-

tions and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the afore-said Schedule.

5. Disqualifications.—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, examination of age limit and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
1. Mattress Maker	2* (1988) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted Non-Ministerial, Industrial.	Rs. 800-15-1010-EB-20-1150	Non-selection	Between 18 to 25 years (Relaxable for Govt. servant upto 35 yrs as per order / instructions issued by the Govt.

Educational and other qualification required for direct recruits	Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
7	8	9	10
Proficiency in the trade.	Not applicable.	2 years for direct recruit only.	By transfer, failing which by direct recruitment. Note : Preference will be given to ex-servicemen in direct recruitment.
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition		Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
11	12		13
Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grade in the lower formations of the Defence Services.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of : (i) ADMS Area HQ—Chairman (ii) OC of the Unit—Member. (iii) An Officer from the unit—Member.		Not applicable.

1	2	3	4	5	6
2. Cane Maker	6(1988)* *Subject to variation dependent on workload.	Genral Central Service Group 'D' Non-Gazetted, Non-Ministerial, Industrial.	Rs. 800-15-1010-EB-20-1150	Non-selection	Between 18 to 25 years. (Relaxable for Govt. servants up to 35 years as per orders/instructions issued by the Govt.)

7	8	9	10
Proficiency in the trade	Not applicable.	2 years for direct recruits only.	By transfer, failing which by direct recruitment. Note : Preference will be given to ex-servicemen in direct recruitment.
11	12		13
Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grade in the lower formations of the Defence services.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of : (i) ADMS Area HQ—Chairman (ii) OC of the Unit—Member (iii) An Officer from the unit—Member.		Not applicable.

1	2	3	4	5	6
3. Hossier	2*(1988) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Ser- vice Gruop 'D' Non- Gazetted, Non-Minis- terial, Industrial.	Rs. 800-15-1010-EB- 20-1150	Non-selection	Between 18 to 25 years. (Relaxable for Govt. Servants up- to 35 years as per orders/instructions issued by the Govt.)
7	8	9	10		
Proficiency in the trade.	Not applicable.	2 years for direct recruits only.	By transfer, failing which by direct recruitment. Note : Preference will be given to ex-servicemen in direct recruitment.		
11	12	13			
Transfer : Persons working in similar, equi- valent or higher grade in the lower forma- tions of the Defence Services.	Group 'D' D.P.C. consisting of : (i) ADMS Area HQ—Chairman (ii) OC of the Unit—Member (iii) An Officer from the unit—Member.	Not applicable			
1	2	3	4	5	6
4. Mate	195* (1988) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Ser- vice Group 'D' Non- Gazetted, Non- Ministerial, Industrial.	Rs. 800-15-1010-EB- 20-1150	Non-selection	Between 18 to 25 years. (Relaxable for Govt. servants up- to 35 years as per orders/instructions issued by the Govt.)
7	8	9	10		
Not applicable	Not applicable	2 years for direct recruits only.	By promotion, failing which by transfer, failing both by direct recruitment.		
11	12	13			
Promotion Labourer (Mazdoors) with three years regular service in the grade. Transfer: Persons serving in similar, equivalent or higher grade in the lower formations of Defence Services.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of : (i) ADMS Area HQ (ii) OC of the Unit. (iii) An Officer from the Unit.	Not applicable. Chairman Member Member			

1	2	3	4	5	6
5. Chowkidar	957*(1988)* *(Subject to variation dependent on workload)	General Central Ser- vice Group 'D' Non- Gazetted Non-Mini- sterial Non-Industrial.	Rs. 750-12-870-EB- 14-940	Non-Selection	Between 18 to 25 years. (Relaxable for Govt. servants upto 35 years per orders/instructions issued by the Govt.). Note The crucial date for determin- ing the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candi- dates in India (other than those in Anda- man and Nicobar Islands and Laksha- dwEEP). In the case of recruit- ment made through the Employment Ex- change, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employ- ment Exchange is asked to submit the names.
7	8	9	10		
Desirable Primary School Pass	Not applicable	2 Years for direct recruits only	By transfer, failing which by direct recruitment Note : Preference will be given to Ex-Servicemen in direct recruitment.		
11	12	13			
Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grade in the lower formations of the Defence Services.	Group 'D' Departmental Promotion Committee con- sisting of :— (i) ADMS Area HQ (ii) OC of the Unit. (iii) An Officer from the unit	Not applicable. — Chairman — Member — Member			

[F. No. B/72618/DGMS 3(B)]

R. R. KOSHAL, Under Secy.

सई दिल्ली, 30 अगस्त, 1988

का नि अ 216 — केन्द्रीय सरकार, सेना अधिनियम, 1950 (1950 का 46) की धारा 191 द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेना नियम, 1954 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

(1) इन नियमों का, मसिफ्त तम सेना (संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 2 का संशोधन सेना नियम, 1954 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 2 में, खण्ड (ग) (घ 1) और (घ 2) का लोप किया जाएगा और इनका 4 जून, 1979 से लोप किया गया समझा जाएगा।

3. नियम 16क का संशोधन — उक्त नियमों के नियम 16क के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जाएगा और 4 जून, 1979 से जोड़ा गया समझा जाएगा, अर्थात् —

"स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजनार्थ,

New Delhi, the 30th August, 1988

(क) "लेफ्टिनेन्ट कर्नेल" से अर्थन द्वारा लेफ्टिनेन्ट कर्नेल अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत सेना चिकित्सा कौर, सेना दन्त चिकित्सा कौर और अश्व और पशु चिकित्सा कौर के पशु चिकित्सा काइर में के काल वेतनमान में का लेफ्टिनेन्ट कर्नेल भी आता है;

(ख) "अग्रिम अधिकारी" से,

(क) सेना शिक्षा कौर की दशा में, ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है, जो एम ए/एम एस सी/एम एड/या बी ए (पास या अ.मर्स) या बी एस सी (पास या अ.मर्स) और साथ ही शिक्षा में डिग्री या डिप्लोमा हो और दो वर्ष या उससे अधिक का प्राक कमिशन अध्यापन अनुभव हो; और

(ख) स्थायी महुविषय के विभाग की दशा में, ऐसा अधिकारी, जिसे विभागीय परीक्षा अग्रिम कर लेने के पश्चात् उस विभाग में स्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया हो;

(ग) "रेक" से अधिष्ठायी रेक अभिप्रेत है।

[फाइल सं. पी सी ए/39123/ए जी /पी एम 2 (ए)/5792/रक्षा (ए जी)]

एम. एस. सोखंडा, उप सचिव (एजी)

स्पष्टीकरण .ज्ञापन

नियम 2 के खंड (ग) (घ 1) और (घ 2) में वर्णित परिभाषा केवल नियम 16क को लागू थी, किन्तु गलती से नियम 2 में सम्मिलित कर ली गई थी। नियम 16क के प्रयोजन के लिए इस उपबंध को आणायित भूतलसी प्रभाव देने का उद्देश्य उस गलती को गूढ़ करना है, जो असत्वधान से हो गई थी।

टिप्पण : मूल नियम का. नि. आ. सं. 484 तारीख 27 नवम्बर 1984 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित का. नि. आ. द्वारा संशोधन किया गया :

ई 7 तारीख 17 जून, 1960

का. नि. आ. 1 तारीख 22 दिसम्बर, 1961

का. नि. आ. 205 तारीख 12 जुलाई, 1961

का. नि. आ. 34 तारीख 5 जून, 1963

का. नि. आ. 126 तारीख 12 मार्च, 1964

का. नि. आ. 116 तारीख 27 मार्च, 1965

का. नि. आ. 215 तारीख 17 जून, 1965

का. नि. आ. 5 तारीख 23 दिसम्बर, 1968

का. नि. आ. 188 तारीख 4 जून, 1979

का. नि. आ. 246 तारीख 12 अक्टूबर, 1982

का. नि. आ. 44 तारीख 24 जनवरी, 1985

का. नि. आ. 55 तारीख 22 फरवरी, 1985

का. नि. आ. 68 तारीख 1 अप्रैल, 1985

का. नि. आ. 278 तारीख 29 नवम्बर, 1985

का. नि. आ. 169 तारीख 15 मई, 1987

का. नि. आ. 302 तारीख 18 सितम्बर, 1987

2249 G of II/88—2

S.R.O. 216.—In exercise of powers conferred by section 191 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Army Rules, 1954, namely:—

(1) These rules may be called the Army (Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Amendment of rule 2: In rule 2 of the Army Rules, 1954, (hereinafter referred to as the said rules)—clauses (cc), (di) and (dii) shall be omitted and shall be deemed to have been omitted from the 4th June, 1979.

3. Amendment of rule 16A: After rule 16A of the said rules the following Explanation shall be added, and shall be deemed to have been added from the 4th June, 1979, namely:—

"Explanation: For the purpose of this rule,

(a) "Lieutenant Colonel" means a Lieutenant Colonel by selection and includes a Lieutenant Colonel by time scale in the Army Medical Corps, Army Dental Corps and Veterinary Cadre of Remount and Veterinary Corps;

(b) "Qualified Officers" means,

(A) in the case of Army Educational Corps, an officer who is an M.A./M.Sc./M.Ed or B.A. (Pass or Honours) with Degree or Diploma in Education and having 2 years or more pre-commission teaching experience; and

(B) in the case of Judge Advocate General's Department, an officer permanently transferred to that department after qualifying at the Department Examination;

(c) "rank" means a substantive rank."

[File No. PC A/39123/AG/PS 2(a)/5792/D(AG)]

M. S. SOKHANDA, Dy. Secy. (AG)

Explanatory Memorandum

The definitions appearing in clauses (cc), (di) and (dii) of rule 2 were applicable only for rule 16A, but erroneously included in rule 2. The intended retrospective effect of this provision for the purpose of rule 16A is aimed at correcting the error which had crept in inadvertently.

Note.—Principal rule were notified vide S.R.O. No. 484, dated the 27th November, 1954 and subsequently amended, vide the following S.R.O.s:—

E-7 dated the 17th June, 1960

S.R.O. 1 dated the 22nd December, 1961

S.R.O. 205 dated the 12th July, 1961

S.R.O. 34 dated the 5th June, 1963

S.R.O. 126 dated the 12th March, 1964

S.R.O. 116 dated the 27th March, 1965

S.R.O. 215 dated the 17th June, 1965

S.R.O. 5 dated the 23rd December, 1968

S.R.O. 188 dated the 4th June, 1979

S.R.O. 246 dated the 12th October, 1982

S.R.O. 44 dated the 24th January, 1985

S.R.O. 55 dated the 22nd February, 1985

S.R.O. 68 dated the 1st April, 1985

S.R.O. 278 dated the 29th November, 1985

S.R.O. 169 dated the 15th May, 1987

S.R.O. 302 dated the 18th September, 1987

(नौसेना शाखा)

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1988

NAVAL WING

New Delhi, the 11th August, 1988

क्र. नि. भा. 217—केंद्रीय सरकार, नौसेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नौसेना छुट्टी विनियम, 1970 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नौसेना छुट्टी (संशोधन) विनियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नौसेना छुट्टी विनियम, 1970 के विनियम 33 के उपविनियम (2) के उपपैरा के स्थान पर निम्नलिखित उप पैरा रखा जाएगा, अर्थात्—

“विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों/मिशनों में कार्यरत नौसैनिकों को विदेश में सेवा की अवधि जो पूरा होने के पश्चात् भारत में लौटने पर यदि वे चाहें तो भारत में जहाज/वायुयान में उतरने के पक्ष/हवाई अड्डे से सीधे शोध्य वार्षिक/संचित वार्षिक छुट्टी, अनुज्ञात की जाएगी चाहे उनके खते में छुट्टी की मात्रा कुछ भी हो। छुट्टी भारत में जहाज/वायुयान से उतरने की तारीख से प्रारम्भ होगी और ऐसे कामिक, भारतीय नौसेना पोत भागे एडीशनल की पुस्तकों में दर्ज रहेंगे।”

[नौसेना मुख्यालय/सामना सं. धारा 4410/81

पो राय, संवत् सचिव

टिप्पण : नौसेना छुट्टी विनियम 1970 रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना स. का. नि. भा. 285 तारीख 16 जून, 1970 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 4 में प्रकाशित किए गए थे, और पश्चात्तर्फी भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 4 में प्रकाशित का. नि. भा. स. 258/73, 283/73, 295/73, 382/73, 71/75, 77/75, 29/76, 100/76, 233/77, 220/78, 57/79, 75/79, 75/80, 114/84, 117/85, 340/86 और 290/87 द्वारा संशोधन किया गया।

नौसेना छुट्टी विनियम, 1970 के विनियम 33 (2) का उद्धरण

33 (2) भारतीय दूतावासों/मिशनों में कार्यरत ऐसे नौसैनिक जो विदेशों में रहते हुए, उपविनियम, (1) के अंतर्गत प्रयुक्त छुट्टी का लाभ उठाते हैं, उन्हें दूतावास में अपनी सामान्य सेवावधि के पूरा होने पर भारत में लौटने पर एक सौ बीस दिन की संचित वार्षिक छुट्टी अनुज्ञात की जाएगी। कालावधि के पूरा होने से पूर्व भारत में लाभ उठाने के लिए छुट्टी की मंजूरी के लिए अनुकम्पा के मामलों पर प्रत्येक मामले में गुणागुण के आधार पर विचार किया जाएगा।

उपयुक्त संचित छुट्टी, यदि नौसैनिक ऐसी बांछा करे तो, उन्हें भारत में हवाई अड्डे से सीधे मंजूर की जा सकेगी। ऐसे मामलों में छुट्टी वायुयान में उतरने की तारीख से प्रारम्भ होगी और ऐसे कामिक ऐसे एडीशनल पोत की संख्या में दर्ज रहेंगे।

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1988

क्र. नि. भा. 218—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तटस्थक में सिविलियन राजपत्रित अधिकारी (संभार सत्र) के पद पर भर्ती को पदोन्नति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तटस्थक सिविलियन राजपत्रित अधिकारी, संभार सत्र) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद को संख्या, वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इससे उपाधय अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

S.R.O. 217.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Navy Leave Regulations, 1970, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Navy Leave (Amendment) Regulations, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Navy Leave Regulations, 1970, in regulation 33, for sub-paragraph to sub-regulation (2), the following sub-paragraph shall be substituted, namely:—

“Sailors serving outside India in Embassies/Missions shall, on their return to India on completion of their tenure of service abroad, be allowed due annual/accumulated annual leave direct from the port of disembarkation/deplanement in India, if they so desire, irrespective of the quantum of leave to their credit. The leave will commence from the date of disembarkation/deplanement in India and the personnel will remain on the books of Indian Naval Ship ANGRE ADDITIONAL.”

[NHQ Case No. RP/4410/81]

P. RAY, Jt. Secy.

Note :—The Navy Leave Regulations 1970 were published in the Gazette of India Part II, Section 4 under the Ministry of Defence Notification Number SRO 285 dated the 16th June, 1970 and subsequently amended vide SRO Numbers 258/73, 283/73, 295/73, 382/73, 71/75, 77/75, 29/76, 100/76, 233/77, 220/78, 57/79, 75/79, 75/80, 114/84, 117/85, 340/86 and 290/87 published in the Gazette of India Part II Section 4.

EXTRACT OF NAVY LEAVE REGULATIONS 1970, PARA 33(2)

33(2)—Sailors serving outside India in Embassies/Commissions who do not avail themselves of leave admissible under sub-regulation (1) while abroad, shall be allowed one hundred and twenty days accumulated annual leave or return to India on completion of their normal tenure of service with the Embassy. Compassionate cases for grant of leave to be availed of in India before the completion of tenure period will be considered on the merits of each case.

The above accumulated annual leave may, if the sailors so desire, be granted to them direct from the port of disembarkation in India, in which case the leave shall commence from the date of disembarkation in India and the personnel shall remain on the books of Indian Naval Ship ANGRE ADDITIONAL.

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट है।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिनका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(घ) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अर्धान अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार का यह राय है कि ऐसा कम्पा आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उनके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रदर्शक व्यक्तियों को बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे प्रांतियों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रिक्तियों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रदर्शक के व्यक्तियों के लिए उपाबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान (रुपये)	चयनपद अथवा अन्य पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों का स्थायीता के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का स्थायीता के लिए आयु सीमा	नियम, 1972 के नियम 30 के अन्वये अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7	
सिविलियन राजपत्रित अधिकारी (संभार क्षेत्र)	2* (1988) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "छ" राजपत्रित अनुसूचक वीय	2000-60-2300 द.रो. -75 3200 100 3500 रुपये	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति व्यक्तियों की दशा में लागू नहीं होगी या नहीं

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष
भर्ती की पद्धति/माधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनके प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।	

11

12

(क) 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनके प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।
(ख) 50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	
	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनके प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।
	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी:—
	(क) (1) जो नियमित आधार पर सदन पद धारण करते हैं; या
	(2) जिन्होंने 1610-60-2600-द.रो.-75-2900 रुपये वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष नियमित सेवा की है, या
	(3) जिन्होंने 1400-40-1800-द.रो. 50-2300 रुपये 1400-40-1600-50-2300 द.रो.-60-2600 रुपये वेतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष नियमित सेवा की है और

12

(ख) जिनके पास इंजीनियरिंग में डिप्लोमा तथा अंतर के कार्य में 2 वर्ष का अनुभव है।

(फंडर प्रवा) के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य कठोर व. ह. पद पर नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए)

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

1. उप महानिदेशक तटरक्षक मुख्यालय—अध्यक्ष
2. निदेशक (प्रशासकीय), तटरक्षक मुख्यालय—सदस्य
3. निदेशक (कार्मिक) तटरक्षक मुख्यालय—सदस्य

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति उप-समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)

1. उप महानिदेशक तटरक्षक मुख्यालय—अध्यक्ष
2. निदेशक (समग्र) तटरक्षक मुख्यालय—सदस्य
3. निदेशक (कार्मिक) तटरक्षक मुख्यालय—सदस्य

विभाग पुष्टि के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति में कार्यवाही संघ लोक सेवा आयोग के अनुदान, धन भेजी जाएगी, किन्तु यदि आयोग उनका अनुदान करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति के बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[र. म. प्र. वि. रि. स. सा. पो. 10432/1915/88 5 जो (एन III)

एन सी एन. नेवि, टेक्निकल अधिकारी

New Delhi, the 28th July, 1988

S.R.O. 218.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regarding the method of recruitment to the post of Civilian Gazetted Officer (Logistics) in the Coast Guard, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Coast Guard (Civilian Gazetted Officer, Logistics) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and the scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and the other matters connected herewith shall be as specified in columns (5) to (14) of the aforesaid Schedule.

4. Disqualifications.—No person, —

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the provisions applicable to such person and the other party to the marriage and that there are good reasons for doing so, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules, with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste, Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1988

का. नि. धा. 219—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 308 के परंतु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भारतीय वायु सेवा (सिनेमा प्रचालक सिविलियन) भर्ती नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय वायु सेवा (सिनेमा प्रचालक सिविलियन) भर्ती (संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय वायु सेवा (सिनेमा प्रचालक-सिविलियन) भर्ती नियम, 1976 में (क) नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“7. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षण, प्राप्ति-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।”

(ख) अनुसूची में, (1) सिनेमा प्रचालक श्रेणी 1 के पद से संबंधित क्रम संख्यांक 1 के सामने स्तंभ 4 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“1200-30-1440-द रो -30-1800 रुपए”

(2) सिनेमा प्रचालक श्रेणी 2 के पद से संबंधित क्रम संख्यांक 2 के सामने स्तंभ 4 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“950-20-1150-द रो -25-1500 रुपए”

(3) स्तंभ 6 के पश्चात् निम्नलिखित शीर्षक, सत्याक और प्रविष्टि का एक नया स्तंभ जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

“सेवा में जोड़े गए वर्षों का कामदा, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं 6 (क)

नहीं ..”

[का सं वायु. मुख्या. /23049/216/पी सी 3 (ए)]

आर. आर. कोशल, प्रवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम रक्षा मंत्रालय का. नि. धा. 288 तारीख 8 नवम्बर, 1976 में भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 4 में प्रकाशित हुए थे और बाय में उनका संशोधन भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय का. नि. धा. 234 तारीख 6 जून, 1986 को अधिसूचना द्वारा किया गया।

New Delhi, the 22nd August, 1988

S.R.O. 219.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Air Force (Cinema Operator Civilian) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Air Force (Cinema Operator Civilian) Recruitment (Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Air Force (Cinema Operator Civilian) Recruitment Rules, 1976—(a) for rule 7, the following rule shall be substituted, namely :—

“VII. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

(b) in the Schedule; (i) against serial number 1 relating to the post of Cinema Operator Grade I, under column 4, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“Rs. 1200-30-1440-EB-30-1800”;

(ii) against serial number 2 relating to the post of Cinema Operator Grade II, under column 4, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“Rs. 950-20-1150-EB-25-1500”;

(iii) after column 6, new column with the following heading, number and entry shall be added, namely—

“Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

6(a)

No. ————”;

[F. No. Air HQ/23049/216/PC 3(A)]

R. R. KOSHAL, Under Secy.

Note : The Principal rules were published in Part II, Section IV of the Gazette of India Min. of Def. SRO 288 dated 8 November, 1976 and subsequently amended vide Notification of the Government of India, Ministry of Defence SRO 234 dated 6th June, 1986.